तर्ज--फिरकी वाली तू कल फिर आना
देखी दुनिया है देखा जमाना,यहां नही आना
ये झूठा संसार है,पाप झूठ का यहां भण्डार है
1--सैयां से हमने एक रोज ये कहा था,
देखेगीं झूठा संसार
पिया ने हमको इंकार किया था,
भूल जाओगी हमरा प्यार
हम ना मानी,जिद थी ठानी,छोड़ पिया की बानी...
2--खेल देखन को हम है आयी,
पिया के प्यार को बिसरा के
मोह ममता में जिंदगी गुजारी,
धनी के धाम को ठुकरा के
देखी माया ,देखी ममता,देखे झूठे नाते..
3--आये पिया जी हमको जगाने,
फिर भी ना हम जाग सकी
कहते हैं पिया हम है तुमारे,
फिर भी ना पहचान सकी
हम ना मानी,होगी हानि,साथ जी सुन लो बानी..

Nijanand App